www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 91 | जौनपुर शुक्रवार, 14 नवम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

जांच के घेरे में चांसलर जवाद अहमद सिद्दीकी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अल–फलाह विश्वविद्यालय के निदेशक और संस्थापक ट्रस्टी, जवाद अहमद सिद्दीकी, इस हफ्ते की शुरुआत में लाल किले के पास हुए घातक दिल्ली विस्फोट के बाद गहन जाँच के केंद्र में आ गए हैं। उनकी ओर सबसे पहले तब ध्यान गया जब फरीदाबाद में कथित ष्सफेदपोश आतंकी मॉड्यूलष् से जुड़े तीन डॉक्टर, डॉ. उमर नबी, डॉ. मुजम्मिल शकील (जिन्हें मुजम्मिल अहमद गनई के नाम से भी जाना जाता है) और शाहीन शाहिद, अल–फलाह विश्वविद्यालय में कार्यरत पाए गए। इस खोज ने जाँचकर्ताओं को इस संस्थान और इसे चलाने वाले लोगों की और बारीकी से जाँच करने के लिए प्रेरित किया। सुरक्षा एजेंसियों की निगह में आई फरीदाबाद की अल–फलाह यूनिवर्सिटी के सभी दस्तावेनों का फरेंसिक ऑडिट होगा। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने इसका आदेश दिया है। साथ ही, एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट भी इस यूनिवर्सिटी के वित्तीय लेनदेन की जांच करेगी। दूसरी वित्तीय एजेंसियां भी इस यूनिवर्सिटी से जुड़े पैसों के लेनदेन की जांच करेंगी। जांच एजेंसियां संदिग्धों के रेकॉर्ड खेगालने के साथ ही यूनिवर्सिटी की नियुक्ति प्रक्रिया की भी जांच कर रही है। कुछ वर्षों में यहां तैनात हुए डॉक्टरों और प्रफेसर की नियुक्ति प्रक्रिया स्टूडेंट्स और सर्विस दे रहे कश्मीरी डॉक्टरों के वेरिफिकेशन और डॉ. शाहीन और डॉ. मुज्जमिल शकील ने एक साल के दौरान कितनी छुट्टियां लीं, उस दौरान कहां गए इन सभी पर नंच होगी।

गन्ने के दाम को लेकर हिंसक प्रदर्शन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कर्नाटक के बागलकोट में गन्ना किसानों का विरोध प्रदर्शन गुरुवार को हिंसक हो गया। गोदावरी शुगर्स फैक्ट्री के अंदर गन्ने से लदे 100 से ज़्यादा ट्रैक्टरों में आग लगा दी गई, जिससे इलाके में अफरा–तफरी मच गई। दृश्यों और शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, फैक्ट्री के अंदर कतार में खड़े ट्रैक्टर आग की लपटों में घिरे हुए दिखाई दे रहे थे और आसपास घना धुआँ छा गया था। अफरा–तफरी के बीच दो मोटरसाइकिलों में भी आग लगा दी गई। मौके पर पुलिसकर्मियों की संख्या कम थी, जिससे जिला प्रशासन को स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ गोयल मौके पर मौजूद थे और अधिकारी स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे। हालांकि, किसान नेता सुभाष शिराबुर ने इस बात से इनकार किया कि आगजनी के लिए किसान जिम्मेदार थे। उन्होंने आरोप लगाया कि फैक्ट्री से जुड़े लोगों ने पुलिस अधिकारियों के सामने हिंसा की। गन्ने से भरे ट्रैक्टरों में आग लगाने वाले हम नहीं हैं। एसपी साहब खुद वहाँ मौजूद थे। उधर से पत्थर फेंके गए, और हमारे लोग और कुछ पुलिसवाले भी घायल हुए

बिहार में फिर बहार, नीतीश सरकार

बिहार, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के रुझानों में एनडीए बहुमत के आंकड़े से काफी आगे निकल चुका है। तमाम एग्जिट पोल ने साफ इशारा किया था कि एनडीए को महिलाओं, ओबीसी और ईबीसी वर्ग का बंपर समर्थन मिला है। रुझान भी इस बात पर मुहर लगा रहे हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार बिहार में दोनों चरणों में कुल मतदान 66.91 फीसदी रहा था। मतदान के दोनों ही चरणों में पुरुषों के मुकाबले में महिलाओं ने ज्यादा वोटिंग की। आंकड़ों के मुताबिक महिलाओं का मतदान प्रतिशत 71.6 फीसदी रहा था। वहीं पुरुषों का मतदान प्रतिशत 62.8 फीसदी ही रहा। इन आंकड़ों से साफ हो जाता है कि पुरुषों के

मुकाबले महिलाओं ने करीब 10 फीसदी ज्यादा मतदान किया। रुझानों में एनडीए को 190, महागठबंधन को 49 और अन्य के खाते में 4 सीटें जाने के संकेत मिल रहे हैं। अगर ये रुझान नतीजों में बदलते हैं तो एनडीए बिहार में इतिहास रच देगा। जीविका दीदी योजना ने बदल डाला सियासी माहौल

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार की सरकार ने राज्य में जीविका दीदी योजना के तहत 1.30 करोड़ महिलाओं को दस–दस हजार रूपये दिए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 सितंबर को नीतीश सरकार की इस योजना की शुरुआत महिलाओं को दस–दस हजार रुपये देकर की थी। तीन अक्तूबर को 25 लाख नई महिलाओं को दस–दस हजार रुपये दिए गए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में शराबबंदी लागू करने का फैसला लिया। इसकी वजह से महिलाओं में नीतीश कुमार को काफी लोकप्रियता मिली। 2006 की ये योजना भी बनी भविष्य की गेमचेंजर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2006 में मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत लड़कियों को साइकिल और स्कूल की पोशाक दी जाती है। इस योजना ने बिहार की उन बेटियों को काफी मजबूत किया, जो स्कूल दूर होने की वजह से पढ़ाई छोड़ देती थीं।

पूर्व पीएम नेहरू की 125वीं जयंती, पीएम मोदी और खरगे ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आजादी के नायक और भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 125वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। हर साल 14 नवंबर को नेहरू की जयंती बाल दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस मौके पर देशभर में बच्चों और शिक्षकों के बीच उत्सव और यादों का माहौल रहता है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर संदेश साझा करते हुए कहा, श्आज हम स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 125वीं जयंती मना रहे हैं। उन्हें मेरी श्रद्धांजलि। हम स्वतंत्रता संघर्ष में उनके योगदान और स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में उनकी भूमिका को याद करते हैं।श नेहरू, जिन्हें बच्चों का प्रिय चाचा नेहरू कहा जाता था, भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से थे। उन्होंने देश को आजादी के बाद नए रास्ते

दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने की उनकी सोच आज भी भारत की पहचान का हिस्सा मानी जाती है। आजादी के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में नेहरू ने संसद प्रणाली को मजबूत किया, वैज्ञानिक संस्थानों की नींव रखी और उद्योगों को बढ़ावा दिया। उन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण के लिए शिक्षा, अनुसंधान और विकास को देश की प्राथमिकताओं में शामिल किया। उनकी 125वीं जयंती पर देशभर में एक बार फिर उनके विचारों और आदर्शों पर चर्चा तेज हुई है।

अब चौनमैन भी बन सकेंगे लेखपाल, यूपी कैबिनेट ने नई नियमावली को मंजूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने लेखपाल सेवा नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए चौनमैन के लिए लेखपाल पद पर पदोन्नति का मार्ग खोल दिया है। वित्त मंत्री सुरेशा खन्ना ने बताया कि पंचम संशोधन नियमावली 2025 के तहत अब लेखपाल के कुल पदों में से दो प्रतिशत पद योग्य चौनमैन को पदोन्नति के आधार पर दिए जा सकेंगे। यह पहली बार है जब चौनमैन को सीधी भर्ती व्यवस्था से बाहर

निकलकर लेखपाल पद तक प्रमोशन का अवसर मिलेगा। वर्तमान में लेखपाल के सभी पदों पर भर्ती अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से की जाती है। प्रदेश में कुल 30837 स्वीकृत पदों में से 21897 पर तैनाती है, जबकि 8940 पद रिक्त हैं। नई व्यवस्था के तहत वे चौनमैन पदोन्नति के लिए पात्र होंगे जो मौलिक रूप से इसी पद पर नियुक्त हों, भर्ती वर्ष के पहले दिन तक छह वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों और इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा पास कर चुके हों। इन पात्र चौनमैन का चयन चयन समिति की सिफारिश पर किया जाएगा। सरकार का कहना है कि अनुभवी चौनमैन को लेखपाल के रूप में पदोन्नत करने से न सिर्फ विभाग की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि जमीनी स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन भी और तेज होगा। इससे आम जनता को राजस्व विभाग की सेवाएं समय पर और अधिक दक्षता के साथ मिल सकेंगी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने जनपद बागपत में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए 5.07 हेक्टेयर भूमि निःशुल्क चिकित्सा शिक्षा विभाग को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

बुजुर्गों को घर बैठे वृद्धावस्था पेंशन देगी योगी सरकार, 60 साल पूरा होते ही खाते में आने लगेगा धन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने राज्य में वृद्धावस्था पेंशन को लेकर एक बड़ा निर्णय लिया है। अब पात्र वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि फैमिली आईडी 'एक परिवार–एक पहचान' प्रणाली से पात्र लाभार्थियों का स्वतः चिन्हीकरण होगा और उनकी सहमति मिलने पर पेंशन सीधे स्वीकृत की जाएगी। वर्तमान में 67.50 लाख वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ ले रहे हैं, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं जो प्रक्रिया पूरी न कर पाने के कारण पेंशन से बाहर रह

जाते हैं। नया फैसला इसी समस्या को हल करने पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में 20 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद फैसले की जानकारी देते हुए समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि नई व्यवस्था में फैमिली आईडी के आधार पर उन नागरिकों की सूची स्वतः तैयार होगी, जिनकी आयु अगले 90 दिनों में 60 वर्ष होने जा रही है। यह सूची एपीआई के माध्यम से समाज कल्याण विभाग के पेंशन पोर्टल पर भेजी जाएगी। विभाग सबसे पहले एसएमएस, व्हाट्सऐप और फोन कॉल जैसे डिजिटल माध्यमों से पात्र नागरिकों से सहमति लेगा। जिनकी सहमति डिजिटल रूप से नहीं मिलेगी, उनसे ग्राम पंचायत सहायक, कॉमन सर्विस सेंटर या विभागीय कर्मचारी भौतिक रूप से संपर्क करेंगे। दोनों स्तरों पर सहमति न मिलने पर ऐसे नाम प्रक्रिया से हटा दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सहमति मिलने के बाद योजना अधिकारी 15 दिनों के भीतर डिजिटल सिग्नेचर के माध्यम से पेंशन स्वीकृत करेंगे और स्वीकृति पत्र लाभार्थी को डाक से भेजा जाएगा। भुगतान सीधे आधार–लिंक्ड बैंक खाते में किया जाएगा और हर किस्त की जानकारी एसएमएस द्वारा उपलब्ध होगी।

बिहार में भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर, अपना सीएम बनाने का मौका मिलेगा

बिहार, (एजेंसी)। बिहार में भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाने के करीब है, क्योंकि रुझानों में वह 95 सीटों पर आगे है और सहयोगी दलों संग 124 सीटें हासिल कर बहुमत (122) पार कर रही है। यह पार्टी को नीतीश कुमार के बिना सीएम चुनने का मौका देती है, जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह है। बिहार में एनडीए की जबरदस्त जीत होती हुई दिखाई दे रही है। अब तक के रुझानों की माने तो एनडीए 206 सीटों पर आगे चल रहा है। इन सबके बीच सबसे बड़ी बात यह है कि अकेले भाजपा 95 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं अब इस बात की चर्चा तेज हो चुकी है कि क्या बिहार में भाजपा का नया मुख्यमंत्री हो सकता है? ऐसा इसलिए क्योंकि भाजपा नीतीश के बगैर भी

सरकार बनाने की स्थिति में दिखाई दे रही है। वर्तमान के आंकड़ों को देखें तो भाजपा 95, लोजपा 20, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को मिला लें तो 9 सीटों पर आगे चल रही है। ऐसे में यह आंकड़ा 124 का पहुंच रहा है। बिहार में बहुमत के लिए 122 सीटों की आवश्यकता होती है। इस स्थिति में अगर नीतीश कुमार की पार्टी जदयू राजद से गठबंधन करती है। बावजूद इसके वह सरकार बनाने की स्थिति में दिखाई नहीं देगी। जदयू को 82 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही है जबकि राजद को सिर्फ 25 सीटें, कांग्रेस तीन और अन्य के खाते में दो सीटें जाती हुई दिखाई दे रही है। ऐसे में यह आकर 111 के आसपास ही पहुंच पा रहा है। अगर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के विधायकों को भी इसमें जोड़ा जाए तो यात्रा 116–17 के आसपास जाएगा। ऐसे में बिहार में भाजपा के लिए एक अच्छा मौका बनता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि हम आपको स्पष्ट कर दें कि भाजपा के तमाम नेता यह बार–बार कह रहे हैं कि यह चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा गया था और ऐसे में नीतीश कुमार आगे मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि भाजपा कार्यकर्ताओं में आंकड़ों को देखने के बाद एक अलग उत्साह दिखाई दे रहा है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनके बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव के लिए 2025 के विधानसभा चुनाव में अपनी स्थिति बनाए रखना मुश्किल हो रहा है।

एनडीए को मिल रहा जनता का जनादेश : दिलीप जायसवाल

बिहार, (एजेंसी)। बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख दिलीप जायसवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 2025 के विधानसभा चुनावों में जनता का जनादेश मिल रहा है। एएनआई से बात करते हुए, जायसवाल ने कहा कि एनडीए ने बिहार विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नाम पर लड़ा था। जायसवाल ने कहा कि जनता के चेहरों से साफ था कि इस बार एनडीए को जनादेश मिल रहा है। एनडीए फिर से सरकार बनाने जा रहा है। एनडीए के नेताओं ने बहुत मेहनत की है, चाहे वह नीतीश कुमार हों, चिराग पासवान हों, जीतन राम मांझी हों, उपेंद्र कुशवाहा हों, प्रधानमंत्री मोदी हों, जेपी नड्डा हों, गृह मंत्री अमित शाह हों या रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हों। हमने श्2025, फिर से नीतीशश के नारे के साथ नीतीश कुमार के चेहरे पर चुनाव लड़ा। बिहार

विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना शुरू होते ही, शुरुआती रुझानों से संकेत मिलता है कि सत्तारूढ़ एनडीए ने 122 के बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया है, जिससे महागठबंधन पर उसकी बढ़त और मजबूत हो गई है। सुबह 10 बजे एनडीए 172 सीटों के साथ आगे चल रही थी।

सरकार जल्द ही दिल्ली को एनसीआर शहरों से जोड़ने वाली बस सेवा शुरू करेगी : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की कि उनकी सरकार जल्द ही राष्ट्रीय राजधानी को विभिन्न एनसीआर शहरों से जोड़ने वाली डीटीसी बस सेवाएं फिर शुरू करेगी। उन्होंने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) द्वारा संचालित एक और अंतरराज्यीय इलेक्ट्रिक बस को हरी झंडी दिखाई, जो कश्मीरी गेट टर्मिनल से सोनीपत बस स्टैंड तक चलेगी। ये इलेक्ट्रिक बसें ''एयर कंडीशनिंग, सीसीटीवी कैमरे, आपातकालीन

बटन और जीपीएस सिस्टम'' से लैस हैं। गुप्ता ने घोषणा की कि सरकार जल्द ही दिल्ली को एनसीआर के आसपास के शहरों से जोड़ने वाली डीटीसी बस सेवाएं फिर शुरू करेगी। उन्होंने सोनीपत के लिए तीन अंतरराज्यीय इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। इससे पहले सेवा पखवाड़ा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिल्ली और बड़ौत के बीच पहली अंतरराज्यीय इलेक्ट्रिक बस सेवा का उद्घाटन किया था। गुप्ता ने कहा, नयी डीटीसी इलेक्ट्रिक बसें अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। ये बसें यात्रियों के लिए सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करेंगी और दिल्ली–सोनीपत मार्ग पर नियमित रूप से चलेंगी, जिससे दोनों शहरों के बीच सुचारू संपर्क सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल गतिशीलता को बढ़ाएगी ।

मालेगांव विस्फोट पीड़ितों की याचिका पर एनआईए दाखिल करेगी जवाब

मुबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार और केंद्रीय जाँच एजेंसियों, आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) या एनआईए, दोनों में से किसी ने भी पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर, सेवारत और हाल ही में पदोन्नत कर्नल प्रसाद पुरोहित और पाँच अन्य को मामले से बरी किए जाने को चुनौती देने वाली अपील दायर नहीं की है। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने कहा कि वह 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले के सभी सात आरोपियों को बरी किए जाने के खिलाफ पीड़ितों द्वारा दायर अपील पर जवाब दाखिल करने पर विचार कर रही है। महाराष्ट्र सरकार और केंद्रीय जाँच एजेंसियों, आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) या एनआईए, दोनों में से किसी ने भी पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर, सेवारत और हाल ही में पदोन्नत कर्नल प्रसाद पुरोहित और पाँच अन्य को मामले से बरी किए जाने को चुनौती देने वाली अपील दायर नहीं की है। जब पीड़ितों द्वारा दायर अपील मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए. अंखड की

पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई, तो अदालत ने एजेंसियों से पूछा कि क्या वे कुछ लिखित दलीलें दाखिल करना चाहती हैं। एनआईए की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने कहा, हम इस पर विचार कर रहे हैं। पीठ ने पाया कि कुछ बरी किए गए लोगों को अभी तक नोटिस नहीं दिए गए हैं और इसलिए वे अदालत में पेश नहीं हुए हैं। पीठ ने निर्देश दिया कि पुलिस उन दो आरोपियों को नोटिस तामील कराने में मदद करे जो अपील दायर करने के बाद भी अदालत में पेश नहीं हुए हैं। ठाकुर और मामले में बरी किए गए मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय की ओर से अधिवक्ता प्रकाश सालसिंगिकर पेश हुए। सालसिंगिकर ने कहा कि वह भी पेपरबुक मिलने के बाद जवाब दाखिल करेंगे, जिसमें मामले से संबंधित सभी प्रासंगिक दस्तावेज शामिल हैं। हालाँकि, सिंह ने इसका पुरजोर खंडन किया और दलील दी कि कागजात व्यवस्थित करने और जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया जाए। 29 सितंबर, 2008 को मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक में विस्फोट हो गया। मामले की जाँच करने वाली एटीएस के अनुसार, मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर की थी और आरडीएक्स सेवारत सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट पुरोहित ने कश्मीर में सैन्य अधिकारी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान हासिल किया था।

संपादकीय

विस्फोट के बाद बेतुकी बयानबाजी

10 नवंबर को हुए दिल्ली बम धमाके के बाद देश में फिर डर और संदेह का माहौल बन गया है। जिस देश में हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध, यहूदी सब मिलजुल कर रहें, उसे तोड़ना मुश्किल होता है। इसके लिए जरूरी है कि देश में भीतरी दरारें बनाई जाएं, यह काम दो तरीकों से हो सकता है। पहला डर का माहौल और दूसरा परस्पर भरोसे को तोड़ना। इस समय देश में यही हो रहा है। हर मुसलमान आतंकवादी नहीं होता, लेकिन हर आतंकवादी मुसलमान ही क्यों होता है, जैसे वाक्यों के जरिए बड़ी चालाकी से आतंकवाद को इस्लाम से जोड़ने की कोशिशें बरसों से हो रही हैं। दाढ़ी, जालीदार टोपी, बुर्का ये सब संदेह के घेरे में डाल दिए गए हैं। याद पड़ता है कि कोरोना काल में एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी दैनिक ने कोरोना को आतंकवाद की तरह खतरनाक बताते हुए कार्टून प्रकाशित किया था, तो वायरस के मानवीकरण चित्रण में उसे पायजामे, जालीदार टोपी में दिखाया गया था। इसकी खूब निंदा भी हुई थी। लेकिन यह असल में समाज में भीतर तक पैठ चुकी सोच का सबूत है। जब पहलगाम हमला हुआ था, तो आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा यह बात चर्चा में आई थी। क्योंकि आतंकवादी भी जानते हैं कि इस तरह हम भारत के लोगों में आसानी से फूट डलवा सकते हैं। अभी दिल्ली धमाके से पहले ही फरीदाबाद में जब बड़ी मात्रा में विस्फोटक मिली तो भाजपा सांसद गिरिराज सिंह का बयान था कि जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि जितने आतंकी पकड़े गए सभी मुसलमान ही क्यों हैं? इस पर जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा भी है कि गांधी जी को किसने मारा? इंदिरा जी को किसने मारा? राजीव गांधी जी को किसने मारा? गिरिराज जी के जवाब के बाद हम बात करेंगे। सुश्री मुफ्ती का तर्क बिल्कुल वाजिब है, क्योंकि भारत ही नहीं विश्व के अधिकतर देश आतंकवाद का दंश किसी न किसी तरह झेल रहे हैं या झेल चुके हैं और आतंक फैलाने वाले लोग किसी भी मजहब या पंथ के हो सकते हैं। जो लोग आतंकवाद को धर्म से जोड़ते हैं, वे असल में आतंकवाद पर पर्दा डालने का कम करते हैं, जो गंभीर अपराध की तरह देखा जाना चाहिए। क्योंकि इसमें आतंकवादियों को बचाकर सारा ध्यान बंटाया जाता है। गिरिराज सिंह पहले भी राजनैतिक फायदे के लिए बार–बार अपने विरोधियों को पाकिस्तान जाने की नसीहत देते रहे हैं। हमें नहीं पता कि उनकी अपनी पार्टी के मुस्लिमों को ये बातें कैसी लगती हैं। हो सकता है वे भी राजनैतिक मजबूरी के कारण चुप रहते हों। लेकिन देश का हित राजनैतिक लाभ–हानि से सर्वोपरि है, यह बात उन्हें भी समझनी चाहिए। भाजपा में केवल गिरिराज सिंह ही नहीं हिमंता बिस्वासरमा जैसे नेता भी हैं, जो शिक्षित और अतिवादी होने में फर्क नहीं कर पा रहे। दिल्ली विस्फोट पर बोलते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, श्हमें सिखाया गया था कि अगर लोग शिक्षित होंगे, तो कोई अतिवाद नहीं रहेगा। लेकिन आपने देखा कि शिक्षा उन्हें और खतरनाक बनाती है। डॉक्टर बनना उन्हें और भी खतरनाक बनाता है। एक व्यक्ति कभी अपना रंग नहीं बदलता। जो लोग वंदे मातरम नहीं गा सकते, वे भारतीय नहीं हो सकते। अगर आप भारतीय नहीं हो सकते, तो आप भारत माता को कभी अपनी मां नहीं मान सकते। इसलिए, हमें लगातार सतर्क रहने की जरूरत है।श अपनी राजनैतिक सहूलियत से श्री बिस्वासरमा ने दिल्ली धमाके और वंदे मातरम को आपस में जोड़ दिया, जबकि इसकी कोई तुक नहीं है। दिल्ली आतंकी हमले में डॉ.मोहम्मद उमर को मुख्य आरोपी माना जा रहा है।

चौंपियन रहे बिहार के मतदाता

डॉ नीतू कुमारी नवगीत

बिहार की भूमि लोकतंत्र की जन्मदात्री है। ऐतिहासिक साक्ष्यों से साबित हुआ है कि बिहार के वैशाली में ही लोकतंत्र के प्रथम सफल प्रयोग हुए। बिहार राजनीतिक रूप से एक जागरूक राज्य भी है। लोकतंत्र के भाग्य विधाता मतदाताओं ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में शानदार भागीदारी निभाते हुए इस बात की पुष्टि की है कि क्यों देश में बिहार को राजनीतिक रूप से जागरूक और प्रतिनिधि राज्य माना जाता है। चुनाव आयोग द्वारा जो अनंतिम आंकड़े जारी किए गए हैं उसके अनुसार इस बार के चुनाव में 66.91 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बिहार के 73 सालों के चुनावी इतिहास में पहली बार राज्य के मतदाताओं ने इतनी बम्पर वोटिंग की है।इससे पहले वर्ष 2000 में 62.57 प्रतिशत मतदान हुआ था । बिहार की महिलाएं लगातार बढ़त बनाई हुई हैं । इस बार भी महिलाओं ने पुरुषों से लगभग 8.8 प्रतिशत अधिक मतदान किया है । भारत निर्वाचन आयोग ने इसको विशेष मतदाता पुनरीक्षण और व्यापक जन भागीदारी सहित सभी सम्बंधित पदाधिकारी और जनजागरूकता से जुड़े लोगों के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया है । भारतीय संविधान लागू होने के उपरांत मतदाताओं की भागीदारी के आधार पर यह बिहार का सबसे सफल चुनाव रहा। महिला मतदाताओं का जोश पुरुष मतदाताओं से भी अधिक रहा। दूसरे चरण के मतदान में 74त्न से भी अधिक महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया जबकि मात्र 65त्न पुरुषों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दोनों चरणों के मतदान के दौरान महिलाओं की भागीदारी अधिक रही। कुल मिलाकर जहां 65.08 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं ने मतदान किया वहीं 68.76 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभाई। बिहार की महिलाओं की यह सजगता काबिले तारीफ है। चुनाव आयोग के मतदाता जागरूकता अभियान की स्वीप आइकॉन के रूप में जहां कहीं भी मैं मतदाताओं की मतदान की जरूरत के संबंध में बताने गई, रिस्पांस बहुत अच्छा रहा। बिहार के लोग चुनाव को लेकर उत्साहित रहते हैं। इस बार मतदाताओं ने चुनाव को उत्सव के रूप में मनाया। लोक आस्था के महान पर्व छठ के ठीक बाद हुए चुनाव में मतदाताओं ने वैसे ही बढ़–कर कर भाग लिया जैसे अपने लोकोत्सव को मनाया। मतदान प्रक्रिया में इतनी अच्छी भागीदारी लोकतंत्र की जीत है, बिहार की जीत है। चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपादित करने में 8.5 लाख से अधिक कर्मचारियों, 1.4 लाख से अधिक पोलिंग एजेंट, 243 जनरल ऑब्जर्वर, 38 पुलिस ऑब्जर्वर, 67 एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर ने भी अपनी भूमिका निभाई। सभी अपनी शानदार भूमिका के लिए बधाई के पात्र हैं। इस चुनाव की प्रक्रिया को देखने और समझने के लिए दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, थाईलैंड, फिलिपींस, बेल्जियम और कोलंबिया के 16 प्रतिनिधि भी आए जिन्होंने बिहार में हुए इस शानदार चुनाव और जनता के उत्साह को देखा, समझा और महसूस किया।वस्तुतरू लोकतंत्र का महापर्व चुनाव ही है। पिछले कुछ चुनाव में जनता की कम भागीदारी चिंता का विषय रहा है लेकिन इस बार बिहार के मतदाताओं ने नई राह दिखाई है। अपार उत्साह और रिकॉर्ड वोटिंग के साथ उन्होंने संदेश दे दिया है कि लोकतंत्र में उनकी गहरी आस्था है। आगे का काम जनप्रतिनिधियों का होगा। चुनावी प्रक्रिया में जिन्हें अपने विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए विधानसभा में जाने का मौका मिलेगा, उन सब को जनता के विश्वास पर खड़ा उतरना होगा। अपनी भूमिका सशक्त तरीके से निभानी होगी ताकि जनता का भरोसा न सिर्फ उन पर बना रहे, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भी बना रहे। जय लोकतंत्र जय बिहार की जनता । (डॉ नीतू कुमारी नवगीत बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान पटना जिला में निर्वाचन आयोग की मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप आइकॉन रही। वह बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका हैं।)

महागठबंधन आगे, पर नतीजा अभी दूर है

राजेंद्र

वास्तव में, मतदाता सूचियों की इस पहलू से छानबीन करने वाले कुछ अध्ययनों में यह सचाई सामने आयी है कि कुछ आठ करोड़ मतदाताओं में, संघ–भाजपा की परिभाषा के हिसाब से घुसपैठिया या मुसलमान विदेशी कहे जा सकने वालों की संख्या, जाना–पहचाना घुसपैठिया राग छेड़ दिया। सभी जानते हैं कि संघ–भाजपा के लिए घुसपैठिया, मुसलमानों के लिए ही इस्तेमाल किया जाने वाला दूसरा शब्द है, जिसके इस्तेमाल के दो फायदे हैं। एक तो इसके जरिए मुसलमानों को न सिर्फ पराया बल्कि खतरा और इसलिए दुश्मन बनाया

आधा दर्जन भी नहीं निकलेगी। विदेशियों की गिनाने लाइक संख्या, नेपालियों की ही पायी गयी है और उसमें भी बड़ा हिस्सा विवाह कर बिहार के नेपाल से लगती सीमाओं वाले जिलों में रह रही नेपाली बहुओं का है। जैसा कि अनुमान लगाया जा रहा था, बिहार में चुनाव प्रचार के अंतिम चरण तक आते–आते, प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा ने, अपना जा सकता है। दूसरे, ऐसा करते हुए कम से कम औपचारिक रूप से मुस्लिमविरोधी होने के आरोप से खुद को बचाने के लिए तिनके की ओट बनाए रखी जा सकती है। प्रधानमंत्री ने अररिया में अपने चुनाव प्रचार के आखिरी दिन की अपनी सभा में और अमित शाह ने चुनाव प्रचार के ही आखिरी दिन पूर्णिया की अपनी सभा में, पूरे गले से यह घुसपैठिया राग गाया। बेशक, उनके इस राग नया कुछ भी नहीं था। वास्तव में झारखंड के विधानसभाई चुनाव में मोदी ने जिस तरह पूरे गले से यह राग गाया था, उसके बाद उनके लिए अपने इस राग में जोड़ने के लिए कुछ खास नया रहता ही नहीं था। हां! झारखंड से भिन्न बिहार में बहन–बेटियों के लिए खतरे का, उनके बहन–बेटियों को ले जाने का डर नहीं दिखाया जा रहा था। उल्टे भाजपा की शीर्ष जोड़ी ने और उसमें भी खासतौर पर अमित शाह ने अपने श्रोताओं में जोश पैदा करने की उच्मीद में, बिहार में यह नया आश्वासन जरूर जोड़ा कि घुसपैठियों ने जो धंधे खड़े कर लिए हैं और जमीनें हासिल कर ली हैं, उन्हें खाली कराया जाएगा। बेशक, घुसपैठियों के मुद्दे को झारखंड की तरह, प्रधानमंत्री और उनके नंबर–दो के पहले दिन से ही बिहार में अपने चुनाव प्रचार की मुक्चय थीम नहीं बनाने की वजह, कम से कम इस खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक दुहाई का इस्तेमाल करने में उनकी किसी हिचक में नहीं थी। इसकी सबसे बड़ी वजह, बिहार में भाजपा की स्याा तक पहुंचने के लिए गठजोड़ की और वह भी एक ऐसे नेता, नीतीश कुमार को आगे रखकर गठजोड़ बनाए रखने की मजबूरी थी, जिनकी पार्टी जदयू को गठजोड़ का खुले तौर पर सांप्रदायिक रुख अपनाना मंजूर नहीं था। इसके ऊपर से बिहार के ही संदर्भ में, घुसपैठियों के मुद्दे को भुनाने में एक कठिनाई और थी। बिहार में विधानसभाई चुनाव से ऐन पहले, विपक्ष की सारी आपत्तियों को अनसुना करते हुए चुनाव आयोग द्वारा अचानक मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण के नाम पर जो विशेष सघन पुनरीक्षण या एसआइआर कराया गया था, उसके जरूरी होने के कारण के रूप में, सूचियों में बड़ी संक्चया में गैर– नागरिकों की मौजूदगी का दावा किया गया था। इसे संघ–भाजपा द्वारा न सिर्फ एसआइआर कराने के उच्चत फैसले के बचाव के लिए बल्कि आम तौर पर अपने सांप्रदायिक प्रचार के हिस्से के तौर पर, खूब उछाला भी गया था। यहां तक कि खुद प्रधानमंत्री मोदी ने इस अभियान में अपनी आवाज जोड़ी थी और विपक्ष को घुसपैठियों का संरक्षक बताया था। लेकिन, इस सब के बावजूद, एसआइआर की प्रक्रिया जब पूरी हुई और चुनाव आयोग द्वारा अपनी ओर से अंतिम और जाहिर है कि श्श्शुद्ध की हुईश्श मतदाता सूचियां जारी की गयीं, उसमें हटाए गए नामों में कुल कितने नाम विदेशियों या घुसपैठियों के थे, चुनाव आयोग की यह बताने की हिम्मत ही नहीं हुई। वास्तव में, मतदाता सूचियों की इस पहलू से छानबीन करने वाले कुछ अध्ययनों में यह सचाई सामने आयी है कि कुछ आठ करोड़ मतदाताओं में, संघ–भाजपा की परिभाषा के हिसाब से घुसपैठिया या मुसलमान विदेशी कहे जा सकने वालों की संख्या, आधा दर्जन भी नहीं निकलेगी। विदेशियों की गिनाने लाइक संख्या, नेपालियों की ही पायी गयी है और उसमें भी बड़ा हिस्सा विवाह कर बिहार के नेपाल से लगती सीमाओं वाले जिलों में रह रही नेपाली बहुओं का है, भाजपा और जदयू के बीच रस्साकशी को और तीखा कर दिया है। ऐसे में भाजपा, किसी भी कीमत पर अपनी सीटों पर हिंदू वाटों का ध्रुवीकरण कर के अपनी संख्या बढ़ाना चाहती है, भले ही इसका नतीजा इसकी प्रतिक्रिया में मुस्लिम वोटों का समग्रता में एनडीए के खिलाफ ही नहीं, महागठबंधन के पक्ष में ध्रुवीकरण भी हो। याद रहे कि सीमाचंल क्षेत्र में खासतौर पर इंडिया के मुस्लिम वोट में ही विभाजन के लिए, एमआइएम ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। इसके अलावा प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी भी मैदान में है। घुसपैठियों के खतरे की दुहाई का इस्तेमाल, भाजपा की बदहवास कोशिश ही ज्यादा है। बहरहाल, मतदाताओं का रुझान बहुत हद तक साफ हो जाने और महागठबंधन का पलड़ा भारी नजर आने के बावजूद, यह नहीं कहा जा सकता है ।

नक्कालों से सावधान, क्योंकि खेद नहीं है

सर्वमित्रा

भारतीय पत्रकारिता के पुरखों ने जिन कष्टों के साथ जनता की आवाज को उठाने का काम किया है, उसी प्रताप की फसल आज के पत्रकार काट रहे हैं। आजादी के वक्त अंग्रेजी शासन की नाराजगी के खतरे मोल लेकर, कम साधनों के साथ पत्र–पत्रिकाएं प्रकाशित होते थे, ताकि जनता में आजादी और बाकी अधिकारों के लिए जागरुकता लाई जाए। आजादी के बाद भी यह सिलसिला जारी रहा। ब्रिटिश प्रसारक बीबीसी के प्रमुख टीम डेवी और समाचार की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेबोरा टर्नेस ने रविवार 9 नवंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल बीबीसी के एक कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण को गलत संदर्भ में दिखाने के आरोप लगे थे। व्हाइट हाउस ने बीबीसी को श्प्रोपेगैंडा मशीनश (प्रचार मशीन) करार दिया था। बीबीसी के पैनोरमा कार्यक्रम में ट्रंप के भाषण के दो हिस्सों को एक साथ इस तरह संपादित किया गया था, मानो ट्रंप जनवरी 2021 के कैपिटल हिल दंगों को प्रोत्साहित कर रहे थे। ज्ञात हो कि ट्रंप उस वक्त राष्ट्रपति चुनाव हार गए थे और तब उनके समर्थकों ने कैपिटल हिल पर हमला किया था, जो अमेरिका के लोकतंत्र के लिए बड़ी चुनौती माना गया था। इस प्रकरण पर बीबीसी की पैनोरमा डॉक्यूमेंट्री में ट्रंप अपने समर्थकों से कहते हुए दिखाई दिए थे कि श्हम कैपिटल तक पैदल चलेंगेश और श्पूरी ताकत से लड़ेंगेश। लेकिन बाद में यह बताया गया कि यह टिप्पणी ट्रंप ने अपने भाषण के एक अलग हिस्से में की थी। असल में ट्रंप ने कहा था कि वे श्हमारे बहादुर सीनेटरों और कांग्रेसियों का उत्साहवर्धन करेंगे।श बीबीसी की इस डॉक्यूमेंट्री पर ट्रंप की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बीबीसी को श्100 प्रतिशत फर्जी खबरश बताया था। इसके दो दिन बाद ही बीबीसी में दो बड़े इस्तीफे हो गए। गौरतलब है कि बीबीसी पर हाल के वर्षों में निष्पक्ष समाचारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखने में विफल रहने के, साथ ही ध्रुवीकृत हो चुके राजनीतिक और सामाजिक माहौल में तालमेल न बिठा पाने के आरोप लगे हैं। हालांकि बीबीसी सीईओ डेबोरा टर्नेस ने कर्मचारियों को भेजे एक ईमेल में कहा कि हालांकि गलतियां हुई हैं, पर श्मैं बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि बीबीसी न्यूज के संस्थागत रूप से पक्षपाती होने के हालिया आरोप गलत हैं।श बीबीसी के इस पूरे प्रकरण को यहां उद्धृत करने का मकसद पाठक समझ ही चुके होंगे। मीडिया जगत में विश्वसनीयता केवल शब्द नहीं है, उसका प्राणतत्व है। भाषा में अशुद्धि हो सकती है, लिखने का तरीका अरुचिकर हो सकता है, तथ्यों का दोहराव हो सकता है। लेकिन खबर गलत और पक्षपातपूर्ण नहीं होनी चाहिए, यही पत्रकारिता की पहली और आखिरी शर्त है। मानवीय या तकनीकी त्रुटि से खबर गलत बन भी गई तो भूल सुधार कर पाठकों तक सही जानकारी पहुंचानी चाहिए। बीबीसी अभी इन बुनियादी शर्तों पर टिका नजर आ रहा है, लेकिन भारत के मीडिया के संदर्भ में क्या यही दावा किया जा सकता है, यह कठिन सवाल हमारे सामने है। 2007 में कनाडा के पत्रकार क्रेग सिल्वरमैन की एक किताब आई थी रू रिग्रेट द एरर यानी त्रुटि के लिए खेद है। इस किताब में उन्होंने बताया है कि त्रुटि के लिए खेद है, यह वाक्य लगभग हर रोज हम अखबारों और पत्रिकाओं में देखते हैं। सिल्वरमैन ने बड़े रोचक तरीके से कभी हास्यास्पद, कभी चौंकाने वाली और कभी–कभी परेशान करने वाले पत्रकारिता की गलतियों और सुधारों का संग्रह इस किताब में दिया है। इसमें सभी प्रकार की अशुद्धियां हैं, एक जीवित और स्वस्थ व्यक्ति का मृत्युलेख छापने से लेकर पूर्ण और घोर नैतिक चूक तक सबका उल्लेख है। इस किताब में मीडिया की गलतियों के इतिहास के जरिए समकालीन पत्रकारिता में जनता के प्रति जवाबदेही की कमी की गंभीर प्रवृत्ति को उकेरा गया है। शायद इस समय भारतीय मीडिया के स्वघोषित धुरंधरों और खुद को फिल्मी कलाकारों या खिलाड़ियों की तरह सेलिब्रिटी मानने वाले पत्रकारों को इस किताब पर एक नजर दौड़ाने की जरूरत है। क्योंकि खबरों को सबसे पहले ब्रेक करने के फेर में बिना तथ्यों की जांच के खबर दे दी जाती है और अगर खबर गलत निकले तो डिलीट कर दी जाती है। न कोई भूल सुधार, न कोई खेद प्रकट। मानो अपनी गलती मान लेंगे तो ओहदा थोड़ा छोटा हो जाएगा। ये उथले पत्रकार इतना भी विचार नहीं करते कि आखिर इनका ये ओहदा बना कैसे, जनता इनके कहे–लिखे पर यकीन क्यों करती है। दरअसल भारतीय पत्रकारिता के पुरखों ने जिन कष्टों के साथ जनता की आवाज को उठाने का काम किया है, उसी प्रताप की फसल आज के पत्रकार काट रहे हैं। आजादी के वक्त अंग्रेजी शासन की नाराजगी के खतरे मोल लेकर, कम साधनों के साथ पत्र–पत्रिकाएं प्रकाशित होते थे, ताकि जनता में आजादी और बाकी अधिकारों के लिए जागरुकता लाई जाए। आजादी के बाद भी यह सिलसिला जारी रहा, हालांकि पूंजीपतियों के हाथों में मीडिया की बागडोर जैसे–जैसे आती गई, प्रायोजित खबरों, इकतरफा विश्लेषण, सरकारी मदद की अपेक्षा में चापलूसी का सिलसिला बढ़ता गया। फिर भी जब तक प्रिंट मीडिया का जमाना था, आंखों का पानी बचा रहा, कि पाठक को भी जवाब भी तो देना है। प्रिंट मीडिया में पोस्ट और डिलीट जैसे त्वरित विकल्प नहीं रहते हैं। मगर इलेक्ट्रानिक मीडिया का चलन बढ़ने यानी टीवी पर निजी चौनलों की बाढ़ आने के बाद से तो जनता तक सही सूचनाएं पहुंचाने की जवाबदेही से चौनल मालिकों और उनके बंधुआ पत्रकारों ने बिल्कुल ही हाथ झटक दिया। अब जनता को टार्गेट (लक्ष्य) की तरह देखा जाता है कि इसे कैसे अपने चंगुल में फंसाया जाए। शुरुआत

नाग–नागिन, भूतिया महल, चमत्कारी बाबा जैसे समाचारों से हुई, जनता को समाचारों के बीच इस तरह का मनोरंजन पसंद आ गया तो फिर समाचारों को पूरी तरह किनारे कर केवल मनोरंजन आगे कर दिया गया और अब नफरत ही समाचारों का प्रधानतत्व हो गई है। टीवी की बहसों के बीच मार–पीट, अपशब्दों का प्रयोग होने लगे तो जनता को समझ लेना चाहिए कि उसे किस कदर गिरा हुआ मानकर उसे खबरें परोसी जा रही हैं। यह पत्रकारिता के पेशे का अपमान तो है ही जनता का तिरस्कार भी है। अब अपना सम्मान अपने हाथों रहता है, तो जनता को ही इस पर सोचना होगा। फिलहाल जिस भाजपा के दौर में पत्रकारिता में आए सबसे बड़े क्षरण को देखा गया है, बुधवार को उस पर भाजपा सांसद हेमा मालिनी तक परेशान दिखीं। दरअसल उनके पति और दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को लगभग तीन हफ्ते पहले सांस लेने में तकलीफ और निमोनिया होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बुधवार की सुबह धर्मेंद्र को अस्पताल से घर ले जाया गया है। लेकिन मंगलवार को आज तक, इंडिया टुडे इन सबमें धर्मेन्द्र की मौत की खबर आ गई। इसके साथ ही धर्मेन्द्र का फिल्मी जीवन, निजी जीवन सब पर सामग्री भी दे दी गई।

ऋण के जाल में फंसे देशों से भारत के राज्यों को मिलती है सीख

प्रह्लाद

वैश्विक स्तर पर कई विकासशील एवं अविकसित देशों पर लगातार बढ़ रहे ऋण के दबाव के चलते इन देशों की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव स्पष्टतरू दिखाई दे रहा है। इन देशों द्वारा अपने नागरिकों को लम्बे समय तक मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराना जारी रखा गया है एवं यहां की सरकारों द्वारा अपने आय के साधनों में पर्याप्त वृद्धि नहीं की गई है। नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाओं को ऋण लेकर भी जारी रखना अब इन देशों के लिए आत्मघाती निर्णय साबित होता हुआ दिखाई दे रहा है, और आज यह देश दिवालिया होने के मुहाने पर खड़े हैं तथा इन्हें अपना सामान्य प्रशासन चलाने के लिए खर्च करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक आंकलन के अनुसार, अक्टूबर 2025 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद का 98.9 प्रतिशत सार्वजनिक ऋण बकाया है, जो वर्ष 2030 तक 102.3 प्रतिशत तक बढ़ जाने की सम्भावना है। विभिन्न देशों के सार्वजनिक ऋण, आय से अधिक खर्च करने की प्रवृति, अधिक ब्याज दर, आय में कम वृद्धि होना, आदि कारकों के चलते लगातार बढ़ता जा रहा है। विकासशील एवं अविकसित देश अपनी आय में वृद्धि नहीं कर पाते हैं परंतु, उन्हें अपने नागरिकों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए खर्च लगातार बढ़ाते रहना होते हैं। इन्हीं कारणों के चलते श्रीलंका, अर्जेंटीना, सूडान, ग्रीस, मालदीव, सेनेगल, आदि देशों में तो आर्थिक आपातकाल की घोषणा करनी पड़ी थी एवं विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं अन्य वैश्विक वित्तीय संस्थानों द्वारा इन देशों की मदद के लिए आगे आना पड़ा था, अन्यथा यह देश लगभग दिवालिया घोषित होने की स्थिति में पहुंच गए थे। वर्ष 2025 में विश्व के प्रथम 10 देशों में, जिनका ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत सबसे अधिक है, शामिल हैं– जापान (229.6 प्रतिशत), सूडान (221.5 प्रतिशत), सिंगापुर (175.6 प्रतिशत), ग्रीस (146.7 प्रतिशत), बहरीन (142.5 प्रतिशत), इटली (136.8 प्रतिशत), मालदीव (131.8 प्रतिशत), अमेरिका (125 प्रतिशत), सेनेगल (122.9 प्रतिशत) एवं फ्रान्स (116.5 प्रतिशत)। ग्रीस, घाना, हैती, मोजांबीक, पाकिस्तान, जाम्बिया, फिलिपींस, श्रीलंका, कीन्या, अर्जेंटीना, आदि देशों द्वारा अधिक मात्रा में लिए गए ऋण के चलते इनकी वित्तीय स्थिति डावांडोल हो चुकी है। इन देशों द्वारा अपने खर्चों को व्यवस्थित तरीके से नहीं किया गया था एवं केवल जनता को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराना लम्बे समय तक जारी रखा गया था तथा साथ में आय बढ़ाने के साधनों पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया। इससे इन देशों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता रहा तथा मजबूरी में इन्हें अपने साधारण सरकारी कामकाज चलाने के लिए भी ऋण लेते रहना पड़ा है। वर्ष 2001 में युगांडा में वित्तीय संकट खड़ा हो गया था एवं उस समय पर युगांडा अपने सामान्य खर्चों को जारी रखने के स्थिति में भी नहीं था। भारत में भी कुछ राज्य "फ्रीबी" के नाम पर कुछ ऐसी योजनाएं चला रहे हैं जिनके अंतर्गत राज्य की जनता के बिजली एवं पानी के बिल समय समय पर माफ किये जा रहे हैं। किसानों, बुजुर्गों एवं मातृशक्ति के बैंक खातों में सीधे ही कुछ राशि प्रति माह जमा की रही है। जबकि, इन राज्यों की वित्तीय स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि इनके बजट इस अतिरिक्त खर्च को वहन कर सकें। कुछ राज्य तो आज मजबूरी में इन योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए बाजार से ऊंची ब्याज दर पर ऋण भी लेने लगे हैं। जिसका प्रभाव इन राज्यों की वित्तीय स्थिति पर विपरीत रूप से पड़ रहा है। यदि समय पर ये राज्य नहीं चेते एवं इन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं किया तो ये राज्य अपने भारी भरकम ऋणों पर ब्याज अदा करने में चूक करने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। जाहिर तौर पर जब राज्यों की आर्थिक स्थिति की चर्चा होती है तो इसका असर राज्यों के विकास और इन राज्यों में निवास कर रहे नागरिकों के जीवन पर भी पड़ता है। लोकलुभावन राजनीति इन राज्यों की वित्तीय स्थिति को बहुत बुरे तरीके से प्रभावित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के वार्षिक प्रतिवेदन में भी राज्यों की वित्तीय स्थिति को लेकर कई गंभीर पहलु और सवाल खड़े किए गए हैं। विशेष रूप से पंजाब, केरल, झारखंड, राजस्थान और पश्चिम बंगाल आदि राज्य बढ़ते कर्ज के बोझ तले दबे जा रहे हैं और इन राज्यों की अर्थव्यवस्था संकट के दौर से गुजर रही है। हाल ही के समय में पंजाब, केरल, राजस्थान, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की वित्तीय सेहत बहुत बिगड़ी है। सभी राज्यों की वित्तीय सेहत का विस्तार से आकलन करने पर ध्यान में आता है कि कई राज्यों द्वारा अनियंत्रित रूप से चलाई जा रही मुफ्त योजनाओं, लोकलुभावन घोषणाओं, अत्यधिक सब्सिडी देने एवं पुरानी पेंशन योजना बहाली से इन राज्यों की वित्तीय सेहत बहुत बुरी तरह से बिगड़ रही है। राज्य, विशेष रूप से सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से, कई लोकलुभावन घोषणाएं करते हैं जैसे कि बिजली एवं पानी मुफ्त में उपलब्ध कराने का वादा, उर्वरकों पर सब्सिडी प्रदान करने का वादा आदि जिसका सीधा असर राज्य की माली हालत पर पड़ता है। पंजाब की आर्थिक स्थिति पूर्व में ही बहुत गम्भीर अवस्था में पहुंच चुकी है फिर वहां नई सरकार ने किए गए चुनावी वादे अर्थात मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के अपने वादे पर कार्य करना शुरू कर दिया है जिससे पंजाब की स्थिति निश्चित रूप से और अधिक बिगड़ने जा रही है और पंजाब को ऋण की किश्त एवं ऋणों पर ब्याज अदा करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है। किन परिस्थितियों में, कितने प्रकार की, कितनी और किस स्तर तक लोक लुभावन घोषणाएं की जानी चाहिए, इस सम्बंध में अब नियम बनाने का समय आ गया है। वैसे यदि ऋण को उत्पादक कार्यों पर खर्च किया जाय तो अधिक ऋण–सकल घरेलू अनुपात अपने आप में बुराई नहीं है परंतु जब ऋण लेकर इसे अनुत्पादक कार्यों जैसे मुफ्त बिजली एवं मुफ्त पानी उपलब्ध कराने जैसे कार्यों पर खर्च किया जाता है तो इसका राज्य की आर्थिक व्यवस्था पर बहुत ही बुरा असर पड़ता है। चुनावों के वादे पूरे करने के लिए राज्यों द्वारा ऋण लिए जा रहे हैं। इन्हीं कारणों के चलते पंजाब की आर्थिक हालत आज बहुत ही दयनीय स्थिति में पहुंच गई हैं। देश के कई राज्य आज ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं कि इन राज्यों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक मदद यदि समय पर नहीं पहुंचाई जाती तो इन राज्यों की स्थिति भी आर्जेंटीना, श्रीलंका अथवा ग्रीस जैसी बनती दिखाई देती। कुछ राज्यों की स्थिति तो यह है कि इनके रोजमर्रा के खर्चे चलाने के लिए उनकी कुल आय का 90 प्रतिशत भाग इन खर्चों पर उपयोग हो जाता है जिसके परिणाम स्वरूप राज्य के विकास कार्यों पर खर्च करने को कुछ बचता ही नहीं है। अब इन राज्यों की आय कैसे बढ़े? इन राज्यों द्वारा लगातार की जा रही लोक लुभावन घोषणाओं के कारण इन राज्यों के खर्चे लगातार अनियंत्रित रूप से बढ़ते जा रहे हैं। इस तरह के खर्चों को करने के लिए नित नए ऋण लिए जा रहे हैं और इन ऋण राशि का उपयोग उत्पादक कार्यों में नहीं लगा पाने के कारण ये राज्य अपनी आय में वृद्धि भी नहीं कर पा ररही हैं। इस प्रकार ये राज्य "डेट ट्रैप" की स्थिति में फंसते जा रहे हैं। आय का 25 से 30 प्रतिशत भाग ऋण का ब्याज भुगतान करने में ही खर्च हो रहा है। पंजाब तो अब आर्थिक मदद के लिए केंद्र सरकार से लगातार गुहार लगा रहा है। इसी तरह राजस्थान, केरल, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की स्थिति भी बिगड़ रही है। अगर राज्य पूंजीगत खर्च नहीं कर रहे हैं तो अपना भविष्य अंधकारमय बना रहे हैं। इस प्रकार तो भविष्य में इन राज्यों की विकास दर भी रुक जाने वाली है। विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है।

लखनऊ के लालबाग गर्ल्स कॉलेज में तलाशे जाएंगे डॉ. शाहीन के रिकॉर्ड, मिल सकता है कोई सुराग

लखनऊ, (संवाददाता)। आतंकी कनेक्शन मामले में गिरफ्तार डॉ. शाहीन के मोहल्ले में चर्चा है कि उसने लालबाग गर्ल्स इंटर कॉलेज से 12वीं तक पढ़ाई की थी। इस चर्चा के बाद बुधवार को कॉलेज परिसर में पूरे दिन छात्राओं और शिक्षिकाओं में शाहीन ही चर्चा में रही। शाहीन ने इसी स्कूल से पढ़ाई की थी या नहीं, इसकी पुष्टि के लिए विद्यालय में पुराने रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। खंदारी बाजार मोहल्ले के लोगों के अनुसार, शाहीन के घर से महज 50 मीटर दूर पर लालबाग गर्ल्स इंटर कॉलेज है। अनुमान है कि घर से करीब होने की वजह से शाहीन ने 1995 से 1997 के बीच यहीं से हाईस्कूल व इंटरमीडिएट तक

की शिक्षा ली होगी। स्कूल के एक कर्मचारी ने बताया कि विद्यालय में उपलब्धियों का बोर्ड लगा है। इसमें हर वर्ष की मेधावी छात्राओं के नाम अंकित हैं, लेकिन शाहीन का नाम नहीं है। कॉलेज की प्रधानाचार्य एन. श्रीवास्तव के अनुसार, यदि शाहीन यहां की छात्रा होगी तो यह बात 25–30 वर्ष पहले की होगी, जबकि दो वर्ष पहले मेरी पोस्टिंग यहां हुई है। पुराने रिकॉर्ड में शाहीन का नाम खोजा जा रहा है। अभी इस बात की पुष्टि के लिए कोई साक्ष्य नहीं है। फिलहाल पुरानी शिक्षिकाओं को भी शाहीन का नाम तक याद नहीं। किसी को यकीन नहीं हो रहा है कि अनुशासन व देशप्रेम का पाठ पढ़ाने वाले उनके विद्यालय की कोई पूर्व छात्रा देश विरोधी घटनाओं में लिप्त होगी। लालबाग के खंदारी बाजार में डॉ. शाहीन के पिता सईद अंसारी के घर के बाहर बुधवार की सुबह भी लोगों का जमावड़ा रहा। किसी अंजान व्यक्ति को सईद और उनके घरवालों से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। परिवार ने भी दरवाजे में अंदर से ताला बंद कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सईद के घर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पूरे दिन कैसरबाग थाने की पुलिस का आना जाना लगा रहा। इस मामले की छानबीन में स्थानीय पुलिस को अलग रखा गया है। डॉ. शाहीन व डॉ. परवेज की गिरफ्तारी के बाद इनके छोटे भाई शोएब ने बुधवार को पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी। उसने बताया कि एटीएस और जम्मू–कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को उससे पूछताछ की थी।

पत्रकार डा. अजय तिवारी के बड़े पिता की मौत, पत्रकार जगत व क्षेत्र वासियो में शोक की लहर

अयोध्या। हिंदी दैनिक समाचार पत्र के जिला संवाददाता डॉ अजय तिवारी के 68 वर्षीय बड़े पिता सुरेंद्र प्रसाद तिवारी की मृत्यु गुरुवार की रात पैतृक गांव हाथ पाकड़ थाना अहिरौली जिला अंबेडकर नगर में हो गई। उनकी मौत की सूचना पाते ही आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी,डाक्टर अजय तिवारी ने बताया कि उनका दाह संस्कार श्रृंगिऋषि आश्रम दिलासीगंज अंबेडकर नगर में हुआ। इस मौके पर डा.तिवारी के अलावा सुरेंद्र प्रसाद तिवारी,हाथ पाकड़, उनके दो पुत्र,राजेंद्र प्रसाद तिवारी,वीरेंद्र कुमार तिवारी, तथा अशोक तिवारी,विजय तिवारी ,अरुण तिवारी,प्रदीप तिवारी,विपिन तिवारी,अनूप तिवारी सहित कई पत्रकार, समाजसेवी व क्षेत्रीय लोगों ने नम आँखों से उनकी अर्थी को अंतिम विदाई दी गई। डाक्टर अजय तिवारी के बड़े पिता के निधन की सूचना मिलने पर सम्पूर्ण देश की उपासना समाचार पत्र परिवार द्वारा अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उनके बड़े पिता की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया गया , और वहीं दीपक श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, दैनिक स्वतंत्र चेतना समाचार पत्र अयोध्या के ब्यूरो चीफ के.के. मिश्रा, राजेश श्रीवास्तव, नरेंद्र मिश्रा,सूर्यकांत तिवारी शहीद व कई समाचार पत्रों तथा प्रिंट मीडिया से जुड़े पत्रकारों तथा अधिकारियों सहित अन्य लोगों ने भी अपना शोक व्यक्त किया है।

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकी लखनऊ की संजना कुमारी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नरेंद्र कश्यप ने दी बधाई

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ की छात्रा संजना कुमारी को "वर्ल्ड पैराएथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025" में कांस्य पदक जीतने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह, निदेशक (खेल एवं योग प्रकोष्ठ) प्रो. पांडेय राजीवनयन तथा बैडमिंटन कोच इरशाद अहमद को भी इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं।नरेंद्र कश्यप ने कहा कि संजना जैसी प्रतिभाशाली छात्राएँ दिव्यांगजन सशक्तिकरण का सजीव उदाहरण हैं। उन्होंने न केवल अपनी मेहनत और संघर्ष से अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का झंडा ऊँचा किया है, बल्कि प्रदेश के हजारों युवाओं, विशेष रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों को प्रेरणा दी है।संजना कुमारी ने 29 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2025 तक इंडोनेशिया में आयोजित इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए महिला युगल वर्ग (एस.3–एन.5) में शानदार प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश और देश का नाम गौरवान्वित किया।मंत्री कश्यप ने कहा कि यह उपलब्धि साबित करती है कि परिश्रम, आत्मविश्वास और लगन से कोई भी बाधा सफलता के मार्ग में रुकावट नहीं बन सकती। संजना की यह सफलता न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों की विजय है, बल्कि प्रदेश में दिव्यांगजन सशक्तिकरण और समावेशी विकास की दिशा में एक प्रेरक उदाहरण भी है।

बहराइच में फिर हमला, घर के बाहर खेलती मासूम को उठा ले गया

लखनऊ, (संवाददाता)। बहराइच जिले में एक बार फिर भेड़िये का आतंक बृहस्पतिवार को देखने को मिला। कैसरगंज तहसील क्षेत्र के गोडहिया नंबर–3, नया लोधन पुरवा गांव में सुबह करीब 10:30 बजे के आसपास भेड़िये ने हमला कर दिया। इस बार उसका निशाना तीन साल की मासूम जाह्नवी पुत्री संतोष बनी। बच्ची अपने घर के सामने धूप में खेल रही थी तभी अचानक भेड़िया आया और उसे उठा ले गया। घटना से पूरे गांव में अफरा–तफरी मच गई। ग्रामीणों ने शोर मचाकर भेड़िये का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन

वह झाड़ियों की ओट लेते हुए गन्ने के खेत में भाग निकला। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और ड्रोन कैमरे की मदद से बच्ची की खोज शुरू कर दी है। ग्रामीण भी टीम के साथ खेतों की तरफ खोजबीन में जुटे हैं। डीएफओ राम सिंह यादव ने बताया कि टीम मौके पर तैनात है। ड्रोन कैमरे से इलाके की गहन तलाशी ली जा रही है। उम्मीद है जल्द ही कोई सुराग मिलेगा। गांव में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से आसपास के इलाकों में भेड़िये को कई बार देखा गया है लेकिन अब उसने फिर हमला कर दिया जिससे दहशत और बढ़ गई है।

अयोध्या से संगम तक 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा का शुभारंभ
आप सांसद संजय सिंह ने सरयू तट से दी नई राजनीति की पुकार

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ आम आदमी पार्टी (आप) उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार को अयोध्या में 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा की शुरुआत की। सरयू से संगम तक चलने वाली यह ऐतिहासिक पदयात्रा अयोध्या के नया घाट स्थित सरयू तट से मां सरयू की आरती के साथ प्रारंभ हुई। इस दौरान संजय सिंह ने मां सरयू से आशीर्वाद लिया और अपने राजनीतिक गुरु तथा प्रख्यात समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर के सान्निध्य में समाजवादी मूल्यों, रोजगार और सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।आरती के बाद संजय सिंह पैदल यात्रा करते हुए केसरवानी लॉन के सामने स्थित पुराने शीशमन गार्डन, बड़ी देवकाली तिराहा पहुंचे, जहां उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सामाजिक अन्याय का केंद्र बन गया है। पेपर लीक की घटनाएं आम हो चुकी हैं और युवा वर्ग हताश है। उन्होंने कहा कि सरकार नौकरियां नहीं निकाल रही है, और जो आवाज उठाता है, उसे पुलिस की लाठियों और जेल की सलाखों का सामना करना पड़ता है।आप सांसद ने प्रदेश में बढ़ते अत्याचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि दलितों, पिछड़ों और वंचितों पर अत्याचार बेतहाशा बढ़ गए हैं। लखनऊ, रायबरेली और इटावा जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह सब उत्तर प्रदेश की सरकार की नाकामी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना से लेकर सरकारी संपत्तियों की बिक्री तक, हर नीति ने देश और युवाओं का नुकसान किया है।संजय सिंह ने कहा कि यह पदयात्रा केवल शुरुआत है। प्रदेश के आठ अलग–अलग जोनों में ऐसी पदयात्राएं आयोजित की जाएंगी ताकि जनता की आवाज और बुलंद हो सके। इस आंदोलन का लक्ष्य है दृ "रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो।" उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी संविधान की रक्षा और समान न्याय की स्थापना के लिए संघर्ष कर रही है।

संजय सिंह ने कहा, "रामराज्य का अर्थ सबके लिए समान न्याय और सम्मान है। सच्चा हिंदू धर्म सद्भाव और कल्याण सिखाता है, न कि द्वेष और भेदभाव। यह देश बाबा के नारे से नहीं, बाबा साहब के संविधान से चलेगा।"पदयात्रा के शुभारंभ अवसर पर समाजवादी चिंतक और संजय सिंह के राजनीतिक गुरु रघु ठाकुर ने भी उपस्थित होकर लोगों को श्रीराम के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी।

मदरसा शिक्षकों की नियुक्ति में बदले नियम, अब शिक्षा चयन आयोग करेगा इनकी भर्ती

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में अनुदानित मदरसों में अब उनका मैनेजमेंट शिक्षकों की भर्ती नहीं कर सकेगा। भर्ती का यह अधिकार उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को दिया जाएगा। इसके लिए अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर लिया है, जिसे शीघ्र ही कैबिनेट के विचार के लिए रखा जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कुछ समय पहले मदरसा शिक्षा व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए थे। प्रदेश में वर्तमान में कुल 13329 मान्यता प्राप्त मदरसे संचालित हैं, जिनमें 1235400 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। इन मदरसों में 9,979 प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 8) और 3,350 माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक स्तर (कक्षा 9 से 12) के हैं। इनमें से 561 मदरसे राज्य सरकार से अनुदानित हैं, जिनमें कुल 231806 छात्र पंजीकृत हैं। अनुदानित मदरसों में कार्यरत शिक्षकों

और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की कुल संख्या क्रमशः 9889 और 8367 है। इन कर्मियों को सातवें वेतन आयोग की संस्तुतियों के अनुसार 1 जनवरी 2016 से वेतन और भत्ते प्राप्त हो रहे हैं। अल्पसंख्यक कल्याण निदेशालय के सूत्रों के मुताबिक, अभी तक मदरसों में जितने शिक्षकों की भर्ती हुई है, उसे उनके प्रबंधन ने ही किया है। यहां तक कि अगला वेतनमान भी प्रबंधन के फैसले पर ही दिया गया। भविष्य में अनुदानित मदरसों के प्रबंधन से यह अधिकार वापस ले लिया जाएगा। मदरसों के पाठ्यक्रम में भी होगा बदलाव मदरसा शिक्षा में सुधार के लिए उच्चस्तरीय समिति ने अपनी संस्तुतियां तैयार कर ली हैं। शीघ्र ही इन्हें उच्चस्तर पर विचार के लिए रखा जाएगा। मदरसों में भी अब यूपी बोर्ड की तरह विषय होंगे। इंटरमीडिएट में कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय भी होंगे। उर्दू, अरबी और फारसी इसके साथ पढ़ाए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

'भारत पर्व 2025' में उत्तर प्रदेश की अद्भुत सांस्कृतिक झलक

लखनऊ, (संवाददाता)। गुजरात के केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित 'भारत पर्व 2025' के दौरान बुधवार को 'उत्तर प्रदेश दिवस' बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह तथा जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना और 'देखो अपना देश' पहल के अंतर्गत उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि भारत पर्व केवल संस्कृति का उत्सव नहीं, बल्कि एकता, गौरव और पहचान का प्रतीक है। यह कलाकारों के लिए देश के सामने अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का गौरवपूर्ण मंच है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटन में देश में शीर्ष स्थान पर है। वर्ष 2025 की पहली छमाही (जनवरी से जून) में ही एक अरब से अधिक पर्यटक प्रदेश में आए हैं, जो राज्य सरकार की योजनाओं और पर्यटन विभाग के प्रयासों का परिणाम है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम के दौरान राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर का भ्रमण किया।

टेंपल्स ऑफ अवध में 175 मंदिरों का संकलन

लखनऊ, (संवाददाता)। अवध के प्रमुख मंदिरों पर विपुल बी वार्ष्णेय की पुस्तक टेंपल्स ऑफ अवध का विमोचन बुधवार शाम गोमतीनगर के विवेकखंड में किया गया। यूनिवर्सल बुक सेलर्स में आयोजित समारोह में पुस्तक की लेखिका के साथ परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि कई वर्ष के शोध के बाद इस पुस्तक को लिखा गया है, जिसमें 175 प्रमुख मंदिरों को शामिल किया गया है। इनमें से बहुत से रामायण

व महाभारत काल से जुड़े हैं। विपुल वार्ष्णेय ने बताया कि अवध क्षेत्र के आध्यात्मिक जिलों अयोध्या, गोरखपुर, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज और देवीपाटन को किताब में समेटा गया है। पुस्तक लिखने के दौरान संतों, विद्वानों और विशेषज्ञों से मुलाकात की। अध्ययन में स्कंद पुराण के अयोध्या महात्म्य, वाल्मीकि की रामायण और तुलसीदासजी के रामचरित मानस जैसे धर्मग्रंथों से सामग्री एकत्र करना व पौराणिक महत्व के लिए विभिन्न स्थानों का दौरा करना शामिल था। विमोचन अवसर पर इस्कॉन के उपाध्यक्ष दीनदयाल कृष्णा, चंदर प्रकाश, गौरव प्रकाश, अनुज वार्ष्णेय और मानव प्रकाश आदि मौजूद रहे।

किसानों की आय बढ़ाने और तकनीकी खेती को प्रोत्साहित करने पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। पद्म विभूषण गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल में बुधवार को वाराणसी और मिर्जापुर मंडलों की संयुक्त मंडलीय रबी उत्पादन गोष्ठी–2025 का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। गोष्ठी का उद्देश्य किसानों के हित में कृषि निवेशों की व्यवस्था सुनिश्चित करना और तकनीकी खेती को बढ़ावा देना रहा।कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि और प्रदेश सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में डीएपी के दामों में वृद्धि नहीं होने दी गई है और किसानों को बीज व खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। उन्होंने मंडलायुक्त वाराणसी और मिर्जापुर को निर्देशित किया कि सरकारी केंद्रों पर अनुदानित बीज वितरण की गति तेज की जाए, ताकि समय पर किसानों तक बीज पहुंच सके।मंत्री शाही ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि 25 नवंबर तक गेहूं की बुवाई हर हाल में पूर्ण हो, जिससे फसल उत्पादन में वृद्धि हो सके। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे फसल चक्र का पालन करें और खरीफ व जायद की बुवाई भी समय पर करें। उन्होंने कहा कि "पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जागरूकता के कारण वहां का कृषि चक्र सशक्त है और इसलिए वहां की उत्पादकता पूर्वी उत्तर प्रदेश से अधिक है। हमें भी यही मॉडल अपनाना होगा।"उन्होंने बताया कि प्रदेश में सरसों की उपज अब 36 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच चुकी है, जो पहले मात्र 14 लाख मीट्रिक टन थी। यह सरकार की किसान–केंद्रित नीतियों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का लक्ष्य है कि हर व्यक्ति आत्मनिर्भर बने। आज देश के पास खाद्यान्न का पर्याप्त भंडारण है, लेकिन दाल और तेल के लिए अभी भी आयात पर निर्भरता बनी हुई है। इस पर नियंत्रण के लिए किसानों को दलहन और तिलहन फसलों को बढ़ावा देना चाहिए।कृषि मंत्री ने बताया कि प्रदेश में पर्याप्त उर्वरक भंडारण उपलब्ध है। वर्तमान में सरकार के पास 12.5 लाख मीट्रिक टन यूरिया है। उन्होंने सभी जिलों के मुख्य विकास अधिकारियों को उर्वरक की उपलब्धता की निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि "वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार ही उर्वरक का प्रयोग करें, क्योंकि अत्यधिक उपयोग से भूमि की उत्पादकता घटती है। प्राकृतिक खेती की दिशा में भी हमें गंभीरता से कार्य करना चाहिए।"उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के साथ किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मंडलायुक्त को धान खरीद केंद्र जल्द खोले जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर किसान उन्नति के नए आयाम छुए। चना और मसूर की खरीद भी क्रय केंद्रों पर की जाएगी।कृषि मंत्री ने बताया कि "उत्तर प्रदेश श्रीअन्न पुनरोद्धार योजना" के तहत मोटे अनाजों के प्रोत्साहन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए एक लाख करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि "हमारा संकल्प है कि दुनिया की थाली में भारत का अन्न दिखाई दे।"कार्यक्रम में कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार ने कहा कि गोष्ठी का ध्येय कृषि उत्पादकता में वृद्धि के उपायों की समीक्षा करना है। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में मौजूद संभावनाओं का अधिकतम लाभ लिया जाए। जल्द ही विभाग बैंकों के साथ बैठक आयोजित करेगा ताकि कृषि निवेश से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा सके।प्रमुख सचिव सहकारिता सौरभ बाबू ने बताया कि सहकारी समितियों की संख्या बढ़कर 8100 हो गई है, जिनके माध्यम से बीज व उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इफको की खाद खरीदने पर किसानों को दुर्घटना बीमा की सुविधा भी दी जाती है।उद्यान विभाग के अपर सचिव बीएल मीणा ने फूड प्रोसेसिंग यूनिट, मिलेट प्रोसेसिंग यूनिट, सोलर फेंसिंग जैसी योजनाओं और दी जाने वाली सब्सिडियों की जानकारी दी। वहीं, कृषि सचिव इंद्र विक्रम सिंह ने किसानों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के समाधान प्रस्तुत किए।गोष्ठी में निदेशक उद्यान ने पर ड्रॉप मोर क्रॉप, स्प्रिंकलर और सब्जी की खेती जैसी योजनाओं पर दी जाने वाली सब्सिडी की जानकारी दी।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण और पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं में पारदर्शिता व समयबद्धता पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बुधवार को उत्तर प्रदेश सचिवालय के मुख्य भवन स्थित कक्ष संख्या 80 में विभागीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विभाग की प्रमुख योजनाओं, निर्माण कार्यों, छात्रवृत्ति वितरण, पेंशन भुगतान तथा दिव्यांगजनों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।मंत्री कश्यप ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं में आवंटित धनराशि का उपयोग समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से किया जाए ताकि पात्र लाभार्थियों को समय पर योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके।बैठक के दौरान उन्होंने आगामी विश्व दिव्यांग दिवस (3 दिसंबर) के अवसर पर विशेष कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। मंत्री ने निर्देश दिया कि दोनों दिव्यांगजन विश्वविद्यालयों में विशेष आयोजन किए जाएं, साथ ही 3 से 5 दिसंबर तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में राज्य स्तरीय कार्यक्रम प्रस्तावित किए जाएं। बैठक में यह भी बताया गया कि दिव्यांगजन विश्वविद्यालयों में नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, और नए छात्रावासों के संचालन से इसमें और बढ़ोतरी की संभावना है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तर की खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाए। साथ ही, सभी निर्माण कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। मंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि दिव्यांग पेंशन समय से दी जाए तथा प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए।

विज्ञान, समाज और सततता' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के पर्यावरण विज्ञान विभाग की ओर से सोमवार को 'नदी पुनरुद्धार और भारतीय ज्ञान प्रणालीरू विज्ञान, समाज और सततता' विषय पर आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य शुभारंभ हुआ। यह संगोष्ठी विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग, स्टेट मिशन फॉर क्लीन गंगा, उत्तर प्रदेश तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के नेशनल सेक्रेटरी डॉ. अतुल कोठारी उपस्थित रहे। मंच पर मुख्य रूप से स्टेट मिशन फॉर क्लीन गंगा, उत्तर प्रदेश के प्रोजेक्ट डायरेक्टर जोगिंदर सिंह, छध्ळ के मनु भटनागर, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय समन्वयक संजय स्वामी तथा पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. वेंकटेश दत्ता उपस्थित थे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलगीत का गायन किया गया। आयोजन समिति की ओर से अतिथियों और शिक्षकों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया। प्रो. वेंकटेश दत्ता ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी का उद्देश्य नदियों के संरक्षण, पुनरुत्थान और भारतीय पारंपरिक ज्ञान प्रणाली के बीच सेतु स्थापित करना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सूफिया अहमद ने किया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने उद्बोधन में कहा कि नदियों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा प्रकृति को माँ का स्वरूप मानकर उसकी रक्षा और सम्मान करने की प्रेरणा देती है। पश्चिमी विचारधारा जहाँ संसाधनों के दोहन और भौतिक सुख–सुविधाओं पर केंद्रित है, वहीं भारतीय परंपरा संसाधनों के संरक्षण और सतत उपयोग की शिक्षा देती है। प्रो. मित्तल ने कहा कि नदियों का पुनरुत्थान तभी संभव है जब शासन की नीतियाँ, जनमानस की आस्था और विज्ञान की शक्ति एक साथ कार्य करें। उन्होंने समाज, वैज्ञानिक संस्थानों और नीति–निर्माताओं से सामूहिक प्रयास का आह्वान किया ताकि नदियाँ पुनः अपनी स्वाभाविक धारा में प्रवाहित हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में जल संरक्षण को अभिन्न अंग बनाना होगा, क्योंकि यही सतत विकास और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की कुंजी है।मुख्य अतिथि डॉ. अतुल कोठारी ने कहा बताई गई है। जल संकट, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ मानव की असंवेदनशील

कि शिक्षा का आधारभूत विषय पर्यावरण होना चाहिए, क्योंकि पर्यावरण ही जीवन का मूल है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण एवं उससे संबंधित विषयों को प्रारंभिक स्तर से ही शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो सके। उन्होंने कहा कि हमारे प्राचीन ज्ञान में पंचभूतों के माध्यम से पर्यावरण की महत्ता स्पष्ट रूप से गतिविधियों का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि केवल सरकार या प्रशासन के भरोसे समाधान संभव नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्तर से शुरुआत करनी होगी। डॉ. कोठारी ने 'आधा गिलास पानी दो' अभियान का उदाहरण देते हुए कहा कि यह एक प्रेरक पहल है जो जल संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता पैदा करती है।

पंजाब नैशनल बैंक, लखनऊ मंडल की 100वीं शाखा का भव्य उद्घाटन

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। पंजाब नैशनल बैंक द्वारा आज 13 नवंबर, 2025 को लखनऊ मण्डल की 100 वीं शाखा, जो सुशांत गोल्फ सिटी, क्रेसेंट मॉल के भूतल में खोली गई है, का भव्य उद्घाटन माननीय श्री अनुराग श्रीवास्तव, आई.ए.एस., अपर मुख्य सचिव, नमामि गंगे और ग्रामीण जल संसाधन विभाग, लखनऊ, उ. प्र. और बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अशोक चन्द्र के कर–कमलों से किया गया। प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय ने अपने सम्बोधन में यह बताया कि पंजाब नैशनल बैंक लगभग 131 वर्षों से देश की सेवा में कार्यरत है। देश का दूसरा सबसे बड़ा बैंक होने के नाते पूरे देश में हमारी 10200 शाखाएँ , 11500 एटीएम, 33 हजार बिजनस करेसपांडेन्ट है, जिसकी पहुँच देश के हर क्षेत्र तक है। हमारे सभी कर्मचारी बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करने हेतु

प्रतिबद्ध है। पंजाब नैशनल बैंक का भारत के विकास में अग्रणी भूमिका अदा कर रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी द्वारा चलाए जा रहे विकसित भारत–2047 के सपने को साकार करने की दिशा में हमारा बैंक एमएसएमई, रिटेल, और कृषि में बहुत तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने सभी ग्राहकों को संबोधित करते हुए कहा कि पीएनबी आपकी सभी प्रकार की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने एवं साइबर सुरक्षा में पूर्णतरू सक्षम और सशक्त है। आप सभी हमारी विभिन्न ऋण सुविधाओं का लाभ डिजिटल माध्यम से त्वरित प्राप्त कर सकते है। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूँ कि आप सभी अपने मित्र और सगे–संबंधियों को भी पीएनबी से जोड़िए और इस शाखा को न केवल लखनऊ के भीतर बल्कि देश स्तर पर आगे बढ़ाइए। श्री अनुराग श्रीवास्तव, आई.ए.एस., अपर मुख्य सचिव जी ने सभी को मण्डल की 100 वीं शाखा के उद्घाटन के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि पंजाब नैशनल बैंक, उत्तर प्रदेश में बैंकिंग कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते हुए प्रदेश के विकास व आत्म निर्भर भारत में अहम भूमिका निभा रहा है जिससे आमजन का जीवन स्तर सरल और समृद्ध हो रहा है । अपर मुख्य सचिव जी ने पंजाब नैशनल बैंक को उ. प्र. में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए बधाई दी । कार्यक्रम के अंत में श्री मृत्युंजय, अंचल प्रबन्धक लखनऊ ने सभी अधिकारी गण व कार्यक्रम में उपस्थित सभी ग्राहकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्री अजित श्रीवास्तव, उप महाप्रबन्धक, एलसीबी, श्री मनीष जैन, सहायक महाप्रबन्धक, श्री जे.पी. अग्रवाल, उप मण्डल प्रमुख, श्री सुनील कुमार उप मण्डल प्रमुख, श्री अनुराग श्रीवास्तव, सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक, श्रीमती दीप्ति पांडे सहायक महाप्रबन्धक, अंचल एवं मण्डल के विभिन्न अधिकारी गण एवं श्री विशाल श्रीवास्तव, शाखा प्रमुख और ग्राहक गण उपस्थित थे।

'बिहार में पार्टी की जीत का भाजपाइयों ने मनाया जश्न,एक दूसरे को मिठाई खिलाकर व्यक्त की खुशी'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की बंपर जीत के बाद कस्बा पाली में उत्साह का माहौल देखने को मिला, शुक्रवार को मंडल अध्यक्ष राकेश रंजन त्रिवेदी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता कस्बे के रामलीला चौराहे पर एकत्र हुए और जीत का जश्न मनाया। भाजपाइयों ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाई और जय श्रीराम सहित पार्टी के समर्थन में नारे लगाए। इस दौरान पटाखे फोड़कर जीत का उत्सव मनाया गया। मंडल अध्यक्ष राकेश रंजन त्रिवेदी ने कहा कि बिहार चुनाव में मिली यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा की विकासवादी नीतियों पर जनता की मुहर है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता इसे जनता का आशीर्वाद मानते हुए संगठन को और मजबूत करने का कार्य करेंगे। वहीं पार्टी नेता आलोक शुक्ला ने बिहार की जीत को विकास और ईमानदारी की जीत कहा। इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवम तिवारी, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष अनूप बाजपेई व्यापारी नेता अनुज मिश्रा, श्रीपाल कश्यप, कन्हैया शर्मा, सभासद अजीत गुप्ता, राकेश कुमार, रंजन श्रीवास्तव, रामू कुशवाहा, प्रदीप कुमार मिश्रा,श्याम मोहन मिश्रा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

अयोध्या में मना बिहार जीत का जश्न,कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के पूर्ण बहुमत से मिली जीत के बाद रामनगरी अयोध्या में खुशी की लहर दौड़ गई है।चाहे पार्टी कार्यालय हो या कार्यकर्ताओं का निजी दफ्तरकृहर जगह जीत का जश्न मनाया जा रहा है बीजेपी के मंडल मंत्री एवं माझी

समाज के अध्यक्ष रामजस माझी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का उत्सव मनाया। इस दौरान रामजस माझी ने कहा कि "बिहार की जनता ने सुशासन पर भरोसा जताया है। विपक्ष को करारी हार मिली है और यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकासवादी नीति की जीत है।वहीं मौके पर उपस्थित पूर्व सभासद गुरबीर सिंह ने कहा कि "बिहार की जनता ने अपने मत का सही उपयोग करते हुए एनडीए सरकार को चुना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार पर भरोसा जताकर बिहार ने जंगल राज से मुक्ति की दिशा में मजबूत फैसला लिया है अयोध्या में कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा है और जीत का जश्न चल रहा है ।

एसकेडी एकेडमी ने सभी शाखाओं में उत्साहपूर्वक मनाया बाल दिवस

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। एसकेडी एकेडमी में बाल दिवस बड़े उत्साह, उमंग और स्नेह के साथ सभी शाखाओं में मनाया गया। जिनमें विशेष सभाएँ, उत्साहपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, रोचक मनोरंजक खेल और प्रत्येक शाखा में आयोजित उत्सवपूर्ण केक–कटिंग समारोह शामिल थे। सभी बच्चों को चॉकलेट वितरण ने इस दिन को और भी खास बना दिया। इस अवसर पर श्री मनीष सिंह, निदेशक, एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन ने बच्चों के लिए प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा "प्रिय बच्चों कृ आप हमारे परिवार, समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं। आपके सपने, आपकी ऊर्जा और आपकी मेहनत ही उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। आज

हम आपके उत्साह, आपकी क्षमता और आपके सुंदर भविष्य का उत्सव मना रहे हैं। आपका जीवन सफलता, सीख और अनगिनत अवसरों से भरा रहे। प्रत्येक बच्चे को उज्ज्वल भविष्य और गर्वपूर्ण करियर की हार्दिक शुभकामनाएँ।" श्रीमती निशा सिंह, उप निदेशिका, एवं श्रीमती कुसुम बत्रा, सहायक निदेशक (शैक्षणिक) ने भी सभी बच्चों को आशीर्वाद दिया और उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, खुशी–खुशी सीखने और जीवन के हर क्षेत्र में चमकने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ और बच्चों को बड़े सपने देखने तथा उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।

न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हैदरगंज

(डा. अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।कम्पोजिट विद्यालय सीहीपुर में 14 नंबर शुक्रवार को किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता रामप्रकाश यादव प्रधान प्रतिनिधि सीहीपुर,और मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य उदित सर्राफ व विशिष्ट अतिथि यशवंत कुमार खंड शिक्षा अधिकारी तारुन, महेंद्र मिश्रा, व दिव्यांशु सिंह दिव्यू, तथा कार्यक्रम के संयोजक शुभम सिंह, अमिताभ वर्मा, देवकीनंदन वर्मा तथा संचालन प्रदीप कनौजिया ने किया।खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य उदित सर्राफ व प्रधान प्रतिनिधि राम प्रकाश यादव ने फीता काटकर खेल प्रतियोगिता की शुरुआत किया।कार्यक्रम में न्याय पंचायत स्तर के दर्जनों प्रतिभागों ने प्रतिभा किया न्याय पंचायत के विद्यालयों के बच्चों ने लंबी कूद, ऊंची कूद, दौड़, कबड्डी आदि प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें विजेता टीम को पुरस्कार वितरित किया गया।इस मौके पर झिनकाई निषाद नोडल शिक्षक, प्रदीप कुमार प्रतिनिधि सदस्य क्षेत्र पंचायत , डॉक्टर प्रदीप कुमार, राम सुरेश, उदय प्रताप सिंह, कुंवर बहादुर सिंह, प्रमोद पाठक ,शैलेंद्र सिंह, कंचन वर्मा, राजेश कुमार, द्रौपदी वर्मा ,मनोज वर्मा, पूनम मिश्रा, पूनम रानी, राम दशरथ यादव, नसीब अली अंसारी आदि परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे।

बिहार में भाजपा की प्रचंड जीत पर पूर्व विधायक खब्बू तिवारी ने कार्यकर्ताओं संग मनाया जीत का जश्न

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत को लेकर अयोध्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार जश्न मनाया।इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी उर्फ खब्बू तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर भाजपा की जीत को देखते हुए पहले ही खुशी साझा कर रहे है।खब्बू तिवारी के आवास पर सुबह से कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटी और ढोल–नगाड़ों की गूंज के साथ उत्साह चरम पर रहा।इस दौरान इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू ने कहा, "बिहार की जनता ने विकास, राष्ट्रवाद और सुशासन के पक्ष में जो ऐतिहासिक जनादेश दिया है, वह भाजपा की नीतियों पर जनता के भरोसे का प्रतीक है। यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। हम जनता के विश्वास पर खरा उतरने के लिए लगातार कार्य करते रहेंगे।"इस मौके पर भाजपा नेता करूणाकर पांडेय, अभिषेक मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित बृजेन्द्र त्रिपाठी समेत कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने मिलकर विजय उत्सव मनाया और कहा कि यह जीत संगठन की ताकत और जनता के विश्वास की जीत है। उत्सव के दौरान भाजपा योगी मोदी जिंदाबाद के नारे भी लगाए।

'तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्राली ने कालेज की छात्रा को मारी टक्कर'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' शुक्रवार को साइकिल से पढ़ने जा रही कालेज की एक छात्रा को पचदेवरा क्षेत्र में धानी नगला के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई, छात्रा को परिजन निजी वाहन से इलाज के लिए फर्रुखाबाद ले गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को हिरासत तथा ट्रैक्टर–ट्राली को कब्जे में ले लिया। जानकारी के मुताबिक पचदेवरा थाना क्षेत्र के धानी नगला गांव निवासी रमाकांत की पुत्री प्रिंसी अल्लाहगंज जनपद शाहजहांपुर स्थित एक इण्टर कॉलेज में कक्षा 9 की छात्रा है। प्रिंसी सुबह अपनी बहन राखी के साथ साइकिल से उपरोक्त विद्यालय में पढ़ने जा रही थी, तभी धानी नगला सेढा नाले के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्राली ने प्रिंसी को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई, आसपास मौजूद लोगों ने दुर्घटना की सूचना छात्रा के परिजनों सहित पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे परिजन घायल प्रिंसी को निजी वाहन से इलाज के लिए फर्रुखाबाद ले गए, वहीं इस दुर्घटना में राखी बाल–बाल बचीध। मौके पर डायल 112 एवं थाना पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस ने चालक को हिरासत तथा ट्रैक्टर–ट्राली को कब्जे में ले लिया। थानाध्यक्ष शिवनारायण सिंह ने कहा कि मामले में तहरीर प्राप्त होने पर अन्य आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

श्रीमद्भागवत कथा के बाद भी लोगो का बना रहा आवाजाही

अयोध्या। श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के बाद हवन पूर्णाहुति एवं भंडारे – प्रसाद वितरण के समय व बाद मे भी डाक्टर अंबिकेश त्रिपाठी के पैतृक घर तिवारी पुर पछियाना पूर्व मंत्री, नेता, शिक्षा से जुड़े प्राचार्य, शिक्षक व अन्य लोगों का आना–जाना बन रहा। इसी कड़ी में उनके पैतृक घर पूर्व मंत्री तेज नारायण पाण्डेय,पूर्व प्राचार्य साकेत महाविद्यालय प्रो अभय कुमार सिंह, प्राचार्य साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रोफेसर दान पति तिवारी, प्रोफेसर अंजनी कुमार सिंह, प्रोफेसर अनुराग मिश्र, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, डायट प्रवक्ता देवेन्द्र सिंह, डायट प्रवक्ता ज्ञानेन्द्र सिंह, डायट प्रवक्ता राकेश कुशवाहा, डायट प्रवक्ता डॉ ऋषि पाण्डेय, डायट प्रवक्ता श्री राम चंद्र यादव, श्री राजेश वर्मा, कमलेश पांडेय, डॉ योगेन्द्र नाथ पाण्डेय, डॉ विवेक कुमार सिंह, डॉ सिया राम शुक्ल, डॉ राजेश कुमार वर्मा , डॉ उमा शंकर त्रिपाठी, प्रांतीय शिक्षक संघ के अध्यक्ष विश्वनाथ सिंह गये।वही उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष नील मणि त्रिपाठी,डॉ सिकन्दर सिंह,डी एन द्विवेदी,अविनाश पाण्डेय, सुजीत सिंह,शिव प्रताप सिंह, डॉ शशिधर द्विवेदी,विनोद सिंह,सत्येंद्र पाल सिंह,राम अनुज तिवारी,दंगल सिंह, हरिओम सिंह,एस आर जी मनीष रस्तोगी, एस आर जी अमित कुमार मिश्र सहित सभी कई शिक्षक व अन्य लोगों का आवाजाही बना रहा।

कृषि नवाचार हब के रूप में कार्य करेगा केवीके कटिया

सीतापुर, (संवाददाता)। कृषि विज्ञान केंद्र कटिया की ओर से किसानों के हित में किए जा रहे अच्छे कार्यों को आगे बढ़ाते हुए देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपस्थिति में अब यह निर्णय लिया गया है कि केंद्र कृषि नवाचार हब के रूप में कार्य करेगा। वह युवाओं को एग्रो स्टार्टअप, वैल्यू एडिशन और डिजिटल कृषि की दिशा में प्रोत्साहित भी करेगा। इससे जिले के युवक और युवतियों को आधुनिक खेती के लिए अच्छा प्लेटफार्म भी मिलेगा। कृषि विज्ञान केंद्र कटिया में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की वार्षिक बैठक आयोजित की गई । इसमें देश एवं प्रदेश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, विभागीय अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों और प्रगतिशील किसानों ने प्रतिभाग किया। इसमें बीते साल की प्रगति और आगामी वर्ष की कार्ययोजना केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. दया यस श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत की गई। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष में केन्द्र द्वारा धान, गेहूं, दलहनी, तिलहनी व जायद फसलों के तहत 85 से अधिक प्रक्षेत्रीय प्रदर्शन किए गए। 3500 से अधिक किसानों को प्रशिक्षण दिया। 600 महिलाओं को मूल्य संवर्धन, पोषण वाटिका, मशरूम उत्पादन एवं गृह–उद्योग आधारित प्रशिक्षण से जोड़ा गया। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. आनंद सिंह, प्रसार वैज्ञानिक डॉ. शैलेंद्र सिंह, शस्य वैज्ञानिक डॉ. शिशिर कांत सिंह, मृदा वैज्ञानिक डॉ. सचिन प्रताप तोमर, गृह वैज्ञानिक डॉ. रीमा, उद्यान वैज्ञानिक डॉ. शुभम और प्रक्षेत्र प्रबंधक डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने–अपने विषय क्षेत्रों की प्रस्तुतियां दीं। डॉ. आनंद सिंह ने पशुपालकों के लिए नस्ल सुधार, संतुलित आहार, पशु स्वास्थ्य शिविरों एवं डेयरी प्रबंधन पर जानकारी साझा की। डॉ. शैलेंद्र सिंह ने किसानों के साथ संवाद, प्रशिक्षण और डिजिटल माध्यम से नवाचार प्रसार के बारे में जानकारी दी। गृह वैज्ञानिक डॉ. रीमा ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, पोषण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता से जुड़ी योजनाओं जबकि उद्यान वैज्ञानिक डॉ. शुभम ने फल, सब्जी, फूल, और औषधीय पौधों के माध्यम से कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के बारे में जानकारी दी। प्रतिभागियों ने कृषि विज्ञान केन्द्र कटिया द्वारा संचालित प्रशिक्षण, प्रदर्शन, जैविक खेती, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण, मत्स्य पालन, पशुपालन, ड्रोन तकनीक, उद्यानिकी और जल संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों की प्रशंसा की।

माइनर व रजबहा सूखे, किसान कैसे करें पलेवा

सीतापुर, (संवाददाता)। रबी फसलों की बोआई के लिए किसानों को खेतों का पलेवा करना है। लेकिन नहरों व माइनरों में पानी नहीं होने से किसान परेशान हैं। मछरेहटा इलाके में माइनर, रजबहा व लिफ्ट कैनाल का हाल बेहद खराब है। जिम्मेदारों की उदासीनता से इन पर जगह–जगह लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। एक जगह तो माइनर के भीतर बड़े–बड़े पेड़ लगे हैं। इससे माइनर व रजबहा के अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है। माइनर व रजबहा में पानी न होने से किसान गेहूं, जौं, सरसों, गन्ना, चना, मटर, मसूर, आलू, टमाटर आदि फसलों व सब्जियों की बोआई के लिए खेतों को पलेवा नहीं कर पा रहे हैं। मछरेहटा इलाके की माइनर, रजबहा व कैनाल में कई वर्षों से पानी नहीं आया है। इनमें घास फूस व झाड़ियां तक उग गई हैं। किन्हौटी के पास से निकली माइनर परसदा, गोपलापुर, महमूदपुर, मोहकमपुर, सकरारा, कालूपुर, गौरिया, काशीपुर, उमरापुर, गुरैनी, गुलाबपुर, गुजरा, जमलापुर, मिरचौड़ी व भिठौरा के आगे तक जाती है। मिरचौड़ी के ग्रामीणों ने बताया कि पानी आना तो दूर इस माइनर की कभी सफाई तक नहीं हुई है। करीब 40 वर्ष से माइनर सूखी पड़ी है। यही हाल उमरापुर के पास से निकली लिफ्ट कैनाल का है। शंभूपुरवा, सेनपुर, कैमा, कुम्हारनपुरवा, दलेलनगर, सूरजपुर चौराहा, बेनीगंज, फत्तेपुर, कुसौली होते हुए कुंदरौली तक जाती है। सोहन ने बताया कि सूरजपुर के पास नहर कैनाल के बीचों बीच बड़े–बड़े पेड़ खड़े हैं। यह पेड़ और झाड़ियां खुद गवाही दे रहे हैं कि इसकी कई वर्षों से सिल्ट सफाई तक नहीं की गई है।

संक्षिप्त खबरें

एम०एल०एम०एल० इण्टर कालेज में हर्षोल्लास पूर्वक मना देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं नेहरू का जन्मदिवस

अयोध्या। शुक्रवार को एम०एल०एम०एल० इण्टर कालेज में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं जवाहर लाल नेहरु का जन्मदिवस हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के उपाध्यक्ष प्रतीक मनूचा की प्रेरणा से छात्रों द्वारा बाल मेला का आयोजन कर बाल दिवस मनाया गया।जिसका शुभारम्भ श्सुन्दर काण्ड पाठ के साथ हुआ,जिसमें विद्यालय के प्रबन्धक हर्ष कुमार मनूचा, उपाध्यक्ष प्रतीक मनूचा, प्रधानाचार्य जीतेन्द्र कुमार राव, पूर्व प्रधानाचार्य अशोक कुमार त्रिपाठी, वरिष्ठ प्रवक्ता दान बहादुर सिंह सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं छात्रों ने बाल मेला में आकर विद्यालय के छात्रों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टालों पर जाकर जायकेदार व्यंजनों का लुफ्त उठाया।विभिन्न बाल खेलों का आनन्द लिया।इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य जीतेन्द्र कुमार राव ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु के जीवन–चरित्र एवं उनके द्वारा देश के लिए किए गए योगदान पर प्रकाश डाला।बाल मेला में मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रबन्धक हर्ष कुमार मनूचा एवं विशिष्ट अतिथि प्रतीक मनूचा जी का स्वागत स्काउट के छात्रों ने स्वागत मार्च एवं बुकें भेंटकर किया। इस बाल मेला में आए हुए सभी अतिथियों ने विद्यालय के छात्रों द्वारा लगाए गए विभिन्न रोचक एवं स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टालों की भूरि–भूरि प्रशंसा की और बताया कि इस तरह के आयोजन से छात्रों में क्रियात्मक, रचनात्मक एवं स्वावलम्बन की सोंच का विकास और उनमें नई उर्जा का संचार होता है।इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने बढ़–चढ़कर विभिन्न कार्यक्रमों प्रतिभाग कर कार्यक्रम को सफल बनाया।अन्त में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने आए हुए सभी अतिथियों, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्रों का आभार व्यक्त किया।

चोरी की बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या।शुक्रवार को कुमारगंज थाना पुलिस ने चोरी की बाइक बरामद कर इसमे शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया।इस संबंध मे थानाध्यक्ष ओम प्रकाश ने बताया कि थाना कुमारगंज पर तैनात उप निरीक्षक आकिल हुसैन ने आरोपी ओम प्रकाश यादव पुत्र जीवन लाल यादव निवासी ग्राम पूरे रामसरन का पुरवा मजरा धमथुआ थाना कुमारगंज अयोध्या को गिरफ्तार किया।बताया कि पुलिस ने चोरी की बाइक भी आरोपी के पास से बरामद किया।

स्टडी हॉल दोस्ती के बच्चों ने `आनंद उत्सव' स्पोर्ट्स मेला में जीते पुरस्कार

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। स्टडी हॉल दोस्ती के 12 बच्चों ने पायसम संस्था द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'आनंद उत्सव' स्पोर्ट्स मेला में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल से सबका दिल जीत लिया। यह आयोजन 10 से 12 नवम्बर 2025 तक के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ में संपन्न हुआ। स्टडी हॉल दोस्ती के अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता खिलाड़ी कृ साहिल सिंह, मृत्युंजय कुमार, युवराज सिंह, अर्श मिश्रा, वानी जैन, श्रुति खुशीराम और आस्था राय कृ को विशेष सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान संस्था और बच्चों दोनों के लिए गर्व का क्षण था। पहले दिन, 10 नवम्बर को, स्टडी हॉल दोस्ती के 8 बच्चों ने अपने कोच मो. एजाज अख्तर, टीचर सलोनी, फरहीन और साहिल के मार्गदर्शन में स्किल टेस्ट में भाग लिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।